Roll No. ..... Total Pages : 3

LMDE/M-24 **10274**

MODERN INDIAN THOUGHT-II

(PART-I)

Paper–PHI-HC-205

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

Note : Attempt *five* questions in all, selecting *one* question from each unit. Objective Type Question is compulsory. All questions carry equal marks.

नोट : प्रत्येक इकाई में से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें। वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

UNIT–I (इकाई–I)

1. Explain and examine Gandhi's concept of non-violence. 16

गाँधी के अहिंसा की अवधारणा की व्याख्या एवं समीक्षा कीजिए।

2. What is Satyagrah? Discuss its merits. 16

सत्याग्रह क्या है? इसके लाभों का विवेचन कीजिए।

UNIT–II (इकाई–II)

3. Explain the concept of God according to Tagore. 16

टैगोर के अनुसार ईश्वर की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

4. Explain nature of man according to Tagore. 16

टैगोर के अनुसार मानव के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

UNIT–III (इकाई–III)

5. Discuss freedom from the known according to Krishnamurti. 16

कृष्णमूर्ति के अनुसार ज्ञात से मुक्ति का विवेचन कीजिए।

6. Discuss views on Education according to Krishnamurti. 16

कृष्णमूर्ति के शिक्षा पर विचारों का विवेचन करें।

UNIT–IV (इकाई–IV)

7. Discuss nature of religion according to Radhakrishnan. 16

राधाकृष्णन के अनुसार धर्म के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

8. Elaborate Radhakrishnan's concept of Moksha. 16

राधाकृष्णन के मोक्ष की अवधारणा का विस्तार से वर्णन करें।

Compulsory Objective Type Question
(अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

9. State whether the following statements are True or False : (8×2=16)

(a) Gandhi was not believed in God.

(b) Gandhi believed in non-violence.

(c) Tagore gives proofs for the existance of God.

(d) Tagore denied the nature of Religion.

(e) Krishnamurti believed in Liberation.

(f) Krishnamurti was not accepted the soul.

(g) Radhakrishnan said, there is not existence of God.

(h) Radhakrishnan believed in liberation of soul.

बताएं कि निम्न कथन सत्य हैं या असत्य :

(क) गाँधी ईश्वर को नहीं मानते थे।

(ख) गाँधी अहिंसा को मानते थे।

(ग) टैगोर ईश्वर के अस्तित्व संबंधी युक्तियाँ देते हैं।

(घ) टैगोर धर्म के स्वरूप को अस्वीकार करते हैं।

(ङ) कृष्णमूर्ति मोक्ष को मानते थे।

(च) कृष्णमूर्ति आत्मा को स्वीकार नहीं करते थे।

(छ) राधाकृष्णन ने कहा, यहाँ भगवान का अस्तित्व नहीं है।

(ज) राधाकृष्णन आत्मा की मुक्ति को मानते थे।